प्रश्न: बाइबल में ओपीर के सोने का बार-बार ज़िक्र क्यों आता
है? इसका क्या महत्व है?

बाइबल में ओपीर (Ophir) का उल्लेख एक ऐसे स्थान के रूप में होता है, जो धन और संसाधनों से भरपूर था – विशेष रूप से वहां के सोने और कीमती पत्थरों के लिए प्रसिद्ध। ऐतिहासिक रूप से ओपीर एक व्यापारिक केंद्र था, जो शायद अरब प्रायद्वीप या उससे आगे कहीं स्थित था। यही वह स्थान था जहाँ से राजा सुलैमान ने मंदिर निर्माण के लिए समृद्धि प्राप्त की थी (1 राजा 10:22)। समय के साथ “ओपीर” शब्द शुद्ध, दुर्लभ और मूल्यवान खजाने का प्रतीक बन गया।

यदि हम इसे आज के संदर्भ में देखें, तो यह ऐसा है जैसे कोई गीता का सोना या मेररानी का टैनज़ानाइट – ऐसे खनिज जो अपनी विशिष्टता और बहुमूल्यता के लिए जाने जाते हैं। प्राचीन काल में, ओपीर का सोना सबसे उत्तम माना जाता था।

प्रमुख बाइबलीय सन्दर्भ:

1 राजा 9:28

“वे ओपीर को गए और वहां से 420 किक्कार (लगभग 15 टन) सोना
लाकर राजा सुलैमान को दिया।”
→ यह पद दिखाता है कि सुलैमान की संपत्ति में ओपीर के सोने का एक महत्वपूर्ण योगदान था।

प्रश्न: बाइबल में ओपीर के सोने का बार-बार ज़िक्र क्यों आता
है? इसका क्या महत्व है?

1 राजा 10:11

“हिराम के जहाज़ जो ओपीर से सोना लाए, वे बहुतायत में चंदन
की लकड़ी और बहुमूल्य पत्थर भी लाए।”
→ ओपीर सिर्फ़ सोना ही नहीं, बल्कि अन्य कीमती वस्तुओं का
भी स्रोत था।

1 राजा 22:48

“यहोशापात ने ओपीर से सोना लाने के लिए जहाज बनवाए, पर वे
कभी वहाँ नहीं पहुँच पाए क्योंकि एस्योन-गेबर में ही वे टूट गए।”
→ यह घटना दर्शाती है कि ओपीर का सोना कितना मूल्यवान था, कि उसके लिए राजा जहाज़ों का निर्माण करवाता था।

अय्यूब 22:24

प्रश्न: बाइबल में ओपीर के सोने का बार-बार ज़िक्र क्यों आता
है? इसका क्या महत्व है?

“तब तू अपना सोना मिट्टी में डाल देगा, और ओपीर का सोना नदी
की कंकड़ियों के बीच रखेगा।”
→ यहाँ ओपीर का सोना प्रतीकात्मक रूप से दर्शाया गया है –
कि ईश्वरीय ज्ञान के सामने यह भी व्यर्थ है।

अय्यूब 28:16

“उसे ओपीर के सोने से नहीं तौला जा सकता, ना कीमती ओनिक्स या नीलम से।”
→ ज्ञान की तुलना में सबसे कीमती वस्तुएँ भी तुच्छ हैं।

आध्यात्मिक महत्व:

1. परमेश्वर की आपूर्ति और प्रभुता

सुलैमान को जो धन मिला, वह संयोग नहीं था। यह परमेश्वर की आपूर्ति थी (1 राजा 10:22)। इससे हमें यह शिक्षा मिलती है कि संपत्ति और पृथ्वी की सारी वस्तुएं परमेश्वर के अधिकार में हैं।

प्रश्न: बाइबल में ओपीर के सोने का बार-बार ज़िक्र क्यों आता
है? इसका क्या महत्व है?

2. आत्मिक धन का मूल्य सांसारिक खजानों से अधिक

अय्यूब 22:24 में, ओपीर के सोने को “नदी के पत्थरों में डाल देने” की बात की जाती है – यह दिखाता है कि परमेश्वर का ज्ञान और धार्मिकता संसार के सभी धन से कहीं अधिक मूल्यवान हैं।

→ इसे मत्ती 6:19-21 से जोड़ा जा सकता है:

“पृथ्वी पर धन इकट्ठा न करो… परन्तु स्वर्ग में अपने लिए खज़ाना इकट्ठा करो…”

3. न्याय और धार्मिकता की दुर्लभता

यशायाह 13 में जब “प्रभु का दिन” आता है, तो इंसान ओपीर के सोने से भी दुर्लभ हो जाएगा। यह संकेत है कि धार्मिकता और पुण्य दुनिया में कितनी दुर्लभ हो जाएंगी।

यशायाह की भविष्यवाणी: प्रभु का दिन

यशायाह 13:9-13

प्रश्न: बाइबल में ओपीर के सोने का बार-बार ज़िक्र क्यों आता
है? इसका क्या महत्व है?

“देखो, यहोवा का दिन आता है, क्रूर, क्रोध और जलजलाहट से भरा, ताकि वह देश को उजाड़ दे और उसमें से पापियों को नाश कर दे। आकाश के तारे और उसके नक्षत्र उसका प्रकाश न देंगे; सूर्य उदय होते ही अंधकार होगा, और चंद्रमा अपनी रोशनी न देगा।
मैं संसार को उसकी दुष्टता के कारण दंड दूंगा, और दुष्टों को उनके अधर्म के कारण।
मैं अभिमानियों का घमंड तोड़ दूँगा और निर्दयी लोगों का घमंड नीचा करूँगा।
मैं मनुष्यों को शुद्ध सोने से भी अधिक दुर्लभ बना दूँगा, और आदमियों को ओपीर के सोने से भी अधिक।
इसलिए मैं आकाश को हिला दूँगा, और पृथ्वी उसके स्थान से कांप उठेगी यहोवा सेनाओं के क्रोध के कारण, उसके जलते हुए क्रोध
के दिन।”

→ यहाँ ओपीर के सोने को एक ऐसी वस्तु के रूप में दर्शाया गया है जो बेहद दुर्लभ और बहुमूल्य है — और यह तुलना इंसानों से की गई है, जो प्रभु के न्याय के दिन अत्यंत दुर्लभ हो जाएँगे।

उत्थान और विश्वासियों की आशा

यह कठोर न्याय की भविष्यवाणी है, लेकिन इसके बीच में एक बड़ी आशा भी छुपी है:

प्रश्न: बाइबल में ओपीर के सोने का बार-बार ज़िक्र क्यों आता
है? इसका क्या महत्व है?

सच्चे विश्वासी इस क्रोध से बचाए जाएँगे।

1 थिस्सलुनीकियों 4:16-17

“क्योंकि स्वयं प्रभु स्वर्ग से पुकार, प्रधान दूत की आवाज़
और परमेश्वर के नरसिंगे के साथ उतरेगा, और पहले वे जो मसीह
में मरे हैं, जी उठेंगे।
तब हम जो जीवित रहेंगे, उनके साथ बादलों में उठा लिए जाएँगे, ताकि प्रभु से मिलें, और यूँ हम सदा प्रभु के साथ रहेंगे।”

तीतुस 2:13

“उस धन्य आशा की, अर्थात हमारे महान परमेश्वर और
उद्धारकर्ता यीशु मसीह की महिमा के प्रकट होने की
प्रतीक्षा करें।”

1 थिस्सलुनीकियों 5:3

प्रश्न: बाइबल में ओपीर के सोने का बार-बार ज़िक्र क्यों आता
है? इसका क्या महत्व है?

“जब वे कहेंगे, ‘शांति है, कोई चिंता नहीं,’ तभी उन पर विनाश अचानक आ पड़ेगा, जैसे गर्भवती स्त्री पर पीड़ा आती है, और वे किसी भी दशा में बच नहीं सकेंगे।”

→ ये वचन हमें सचेत करते हैं कि प्रभु का दिन अचानक आएगा। लेकिन जो मसीह में हैं, उनके लिए यह उद्धार और आशीष का दिन होगा।

निष्कर्ष और व्यक्तिगत प्रेरणा:

जब हम “प्रभु के दिन” और ओपीर के सोने के विषय में सोचते हैं, तो यह हमें याद दिलाता है कि दुनिया के सबसे कीमती खजाने भी प्रभु की धार्मिकता और उद्धार से कमतर हैं।

हमें अपने जीवन में यही पूछना चाहिए:
क्या मैं तैयार हूँ प्रभु के लौट आने के लिए?
क्या मेरा नाम जीवन की पुस्तक में लिखा है?

यदि आज रात ही उत्थान (Rapture) हो जाए, तो क्या मैं उसके साथ उठा लिया जाऊँगा?
आज ही मसीह पर भरोसा रखें, उसकी धार्मिकता में चलें और आत्मिक खजाना संचित करें।

प्रश्न: बाइबल में ओपीर के सोने का बार-बार ज़िक्र क्यों आता है? इसका क्या महत्व है?

शांति हो।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP[1]….

Share on:
WhatsApp
Endnotes:
1. WHATSAPP GROUP:
https://chat.whatsapp.com/L3ysoFZcz058XCX9oLvKL1?s=cl&p=a&mlu=4&ilr=4